Dr.S.P Gupta Acupressure Point

एक्यु. प्वाइन्ट डिटेक्टर–सह–ट्रान्सक्युटेनियस एलेक्ट्रो–न्यूरो स्टीमुलेटर (P.D. & T.C.N.S.)

ट्रान्सक्युटेनियस न्यूरो स्टीमुलेशन एलेक्ट्रो एनालजेसिया का एक सरल वैज्ञानिक विधि है जो दर्द को आराम पहुँचाता है। यह विधि डा० वॉल एवं स्वीट द्वारा वर्ष 1967 में तथा स्वीट एवं वेप्सीक द्वारा 1968 में खोज की गई। यह पध्दति उत्तरी अमेरिका में विकसित हुई ।

शरीर के त्वचा पर एलेक्ट्रोड्स को रखकर विद्युतीय क्रिया से एक्युप्वाइन्ट्स की स्थिति की जानकारी प्राप्त की जाती है तथा इसी विन्दु को विद्युतीय क्रिया द्वारा उक्त एक्युप्वाइन्ट्स को स्टीमुलेट कर चिकित्सा की जाती है।

एक्युप्वाइन्ट्स पर विद्युत प्रतिरोध कम (Low Electrical Resistence) रहता है। बीमारी की अवस्था में संबंधित एक्यु. प्वाइन्ट्स पर प्रतिरोध कम हो जाता है अर्थात् शरीर के किसी अंग के रोग ग्रसित होने से उस अंग से संबंधित एक्यु. विन्दु का विद्युत प्रतिरोध एकदम कम हो जाता है। इसलिए उन विन्दुओं की जांच पी.डी.(प्वान्इट डिटेक्टर) की सहायता से की जाती है।

इसके एलेक्ट्रोड तार से एक ऋणात्मक एलेक्ट्रोड प्रोव होता है। इसकी सहायता से त्वचा को स्पर्श कर विन्दुओं की खोज की जाती है। धनात्मक एलेक्ट्रोड रोगी के हाथ में पकड़ाया जाता है। एलेक्ट्रोड तार के प्लग को पी.डी. उपकरण के सॉकेट में लगा दिया जाता है। तत्पश्चात् प्वाइन्ट डिटेक्टर को चालू करने के लिए संबंधित बटन (स्वीच) चालू किया जाता है। धनात्मक एलेक्ट्रोड रोगी के हाथ में पकड़ाया दिया जाता है।तथा ऋणात्मक एलेक्ट्रोड के नुकील सिरे से प्रभावित एक्यु. विन्दुओं की खोज की जाती है।

जब इस प्रोव का प्रभावित एक्यु. विन्दुओं से स्पर्श होता है तो उपकरण से पीक–पीक की आवाज जल्दी–जल्दी आने लगती है तथा लाइट भी इस पीक–पीक आवाज के साथ जल्दी–जल्दी भुक–भुक कर जलने लगती है जबकि साधारण स्थिति में पीक की आवाज एवं भुक–भुक जलने का कम कुछ विराम लेकर होता है।इस प्रकार प्रभावित एक्यु विन्दुओं का पता चल जाता है तथा उक्त एक्यु.विन्दुसे संबंधित अंग के कार्य में आइ असंतुलन की स्थिति की जानकारी प्रथमावस्था में ही हो जाती है अर्थात् निदान प्रथमावस्था में ही हो जाता है यानि यह विन्दु रोग के प्रथमावस्था में ही निदान के लिए उपयोगी है।

अर्थात् सिद्धान्ततः इसका अर्थ यह है कि उस विन्दु से संवंधित अंग पर प्राण उर्जा का प्रवाह असंतुलित है यानि उर्जा की कमी अथवा अधिकता है।

अब उपकरण के स्टीमुलेशन स्वीच को घुमाकर असंतुलित उर्जा को टोनिफिकेशन अथवा सेडेशन कर असंतुलित उर्जा को संतुलित कर रोग की चिकित्सा की जाती है।

सवधानियां–1.स्टीमुलेटर को स्टार्ट करने के पूर्व करन्ट की तीव्रता के नियंत्रक को शुन्य पर ले जाएं। क्योकि नियंत्रक के उच्च शक्ति पर रोगी को शॉक लग सकता है, हृदय गति रूक सकती है।

2.चिकित्सा के समय रोगी पर विशेष ध्यान रखें।

3.रोगी के शरीर से चेन,चूड़ी,घड़ी आदि निकलवा दें।

4.खतरनाक विन्दुओं पर चिकित्सा नहीं करें।

5.गर्भावस्था में चिकित्सा वर्जित है।

6.GV-20,P-6 आदि पर P.D. से चिकित्सा वर्जित है।

7.बहुत अधिक उच्च रक्तचाप हो,बहुत अधिक पसीना आने वाले रोगी की चिकित्सा नहीं करें।

8.पेशमेकर लगे रोगी तथा आघात की अवस्था में चिकित्सा नहीं करें।

यहॉ रोग निदान चार्ट के साथ कुछ प्रमुख रोगों की चिकित्सा चार्ट का वर्णन किया जा रहा है–

Dr.S.P Gupta Acupressure Point

1.मूत्रमार्ग
2.योनि
3.प्रोस्टेट ग्लैंड्स/स्पर्म एंव तरल पदार्थों का स्राव।
4.गर्भाशय
5 एवं 6.बवासीर
7.अघात–रक्ताघात,रक्तमुर्छा,ग्रीगी,लकवा
8.नपुंसकता
9.बवासीर
10.मूत्राशय
11.मधुमेह(डायविटिज)
12.एपेंडिक्स
13.छोटीआंत
14.बड़ीआंत
15 एवं 16.गुर्दा (किडनी)
17 एवं 18.कमर दर्द
19.बड़ीआंत का प्रदाह (कोलाइटिस)
20.पित्ताशय में सूजन (कोलिसिस्टाइटिस)
21.आंत या पेट का फोड़ा अथवा घाव (पेप्टिक अलसर–गैसटिक अलसर)
22.छोटीआंत,पक्वाशय (डयोडीनम)
23 एवं 24. चेस्ट पेन (एन्जाइना पेक्टोरिस)
25.खून की उल्टी (हीमेटिमेसिस)
26.तेज हृदय धड़कन
27 एवं 28. हृदय
29.अग्नाशय (पैन्कियाज)
30.लीवर
31.दमा
32.दाया फेफड़ा
33.दाया कंधा–दाया स्कैपुला
34,35,36 एवं 37.किडनी डिफिसियेंसी (यांन)
38.रात्री असंयम (नक्चुरनल इन्कॉन्टीनेन्स)
39.सूजन
40.रिम्युटिज्म
41,42,43एवं44.किडनी डिफिसियेंसी (यिन)
45.त्वचा(स्कीन)
46एवं47.श्वासनली(ट्रेकिया)
48.उच्च रक्तचाप (हायपरटेन्सन)
49.निम्न रक्तचाप (हायपोटेन्सन)
50.आंत्रिक ज्वर,मियादी बुखार (एन्टेरिक फीवर टाइफाइड)
51.आंतो का प्रदाह (एन्टेराइटिस)
52.फलू (इन्फलूऐन्जा)
53.दमा (आज्मा)
54,55,56,एवं57.दायां मस्तिष्क धमनी (दायां सेरीब्रल आर्टीरिज)
58.दायां कान
59.निम्न रक्तचाप (हायपोटेन्सन)
60.उच्च रक्तचाप (हायपरटेन्सन)
61.वायां कान
62,63,64एवं65.वायां मस्तिष्क घमनी (वायां सेरीब्रल एवं आर्टीरिज)
66.कफ एवं श्वास संबन्धी कष्ट (फैरिन्क्स)
67.ग्रासनली(एसोफेगस)
68.कोलेस्ट्रॉल
69.वाया फेफड़ा
70.लिवर
71.पित्त–पथरी
72.वाया कंधा(एवं वायां स्कैपुला)
73.पित्ताशय
74.लिम्फ
75.छाती–ट्यूमर
76,77एवं78.कफ एवं ब्रेस्ट श्वास संबन्धी कष्ट (फैरिन्क्स)
79.थाइराइड ग्लैंडस
80.अन्निद्रा
81.थकान
82.ब्रोनकाइटिस
A. वायां पैर
B. दायां पैर
C. किडनी
D. वायां ऑख
E. दायां ऑख
F. वायां पैर(चरण)
G. दायां पैर(चरण)
H.वायां हाथ
I. दायां हाथ
J&K. दायां एवं वायां ऑख

इन्डोकाइन आन्तरिक स्राव का नलिका विहिन ग्रंथि।

स्पलीन रक्त जमा करने का उदरीय अवयव, शरीर का प्रतिरक्षक विहिन ग्रंथि।

● हथेली एक्युविन्दु

O हथेली किनारे एक्युविन्द

BAYC Institute

Dr.S.P Gupta Acupressure Point

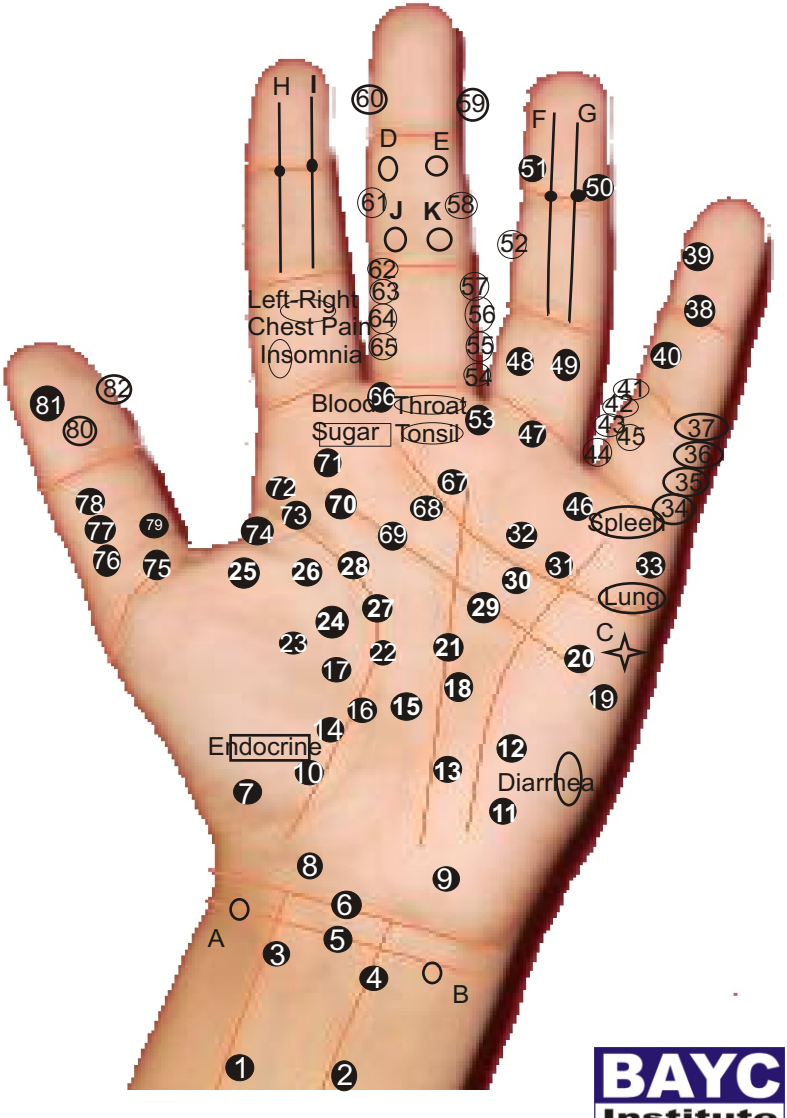

BAYC
Institute

Dr.S.P Gupta Acupressure Point

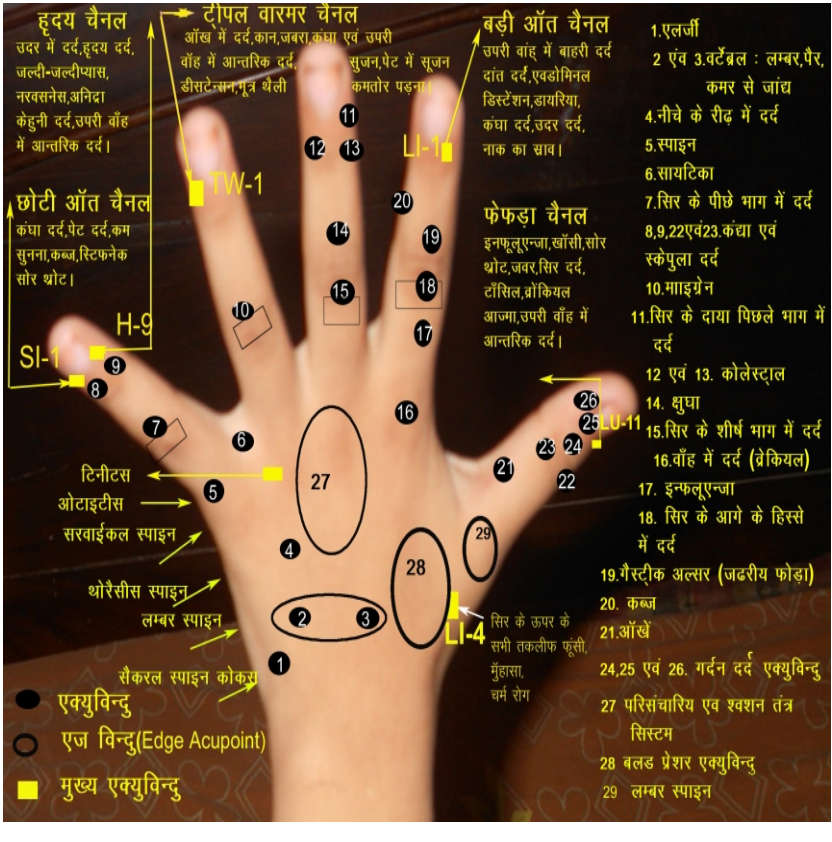

BAYC Institute

Dr.S.P Gupta Acupressure Point

हृदय रोग

★छाती में तेज दर्द★श्वसन क्रिया में अवरोध★उच्च कोलेस्टेरोल

एक्युप्रेशर विन्दुएं :–

हथेली पर

1. कार्डियक
2 हृदय एक्युविन्दु
3. हृदय एक्युविन्दु
4. छोटी आंत
5. दायां वेन्ट्रीकिल
6. वायां वेन्ट्रीकिल
7. दाया एट्रियम
8. वाया एट्रियम
9. छाती दर्द (एन्जाइना पेक्टोरिस)
10. छाती दर्द
11.तेज धड़कन एवं दर्द

हथेली के पीछे

12. एच– 9

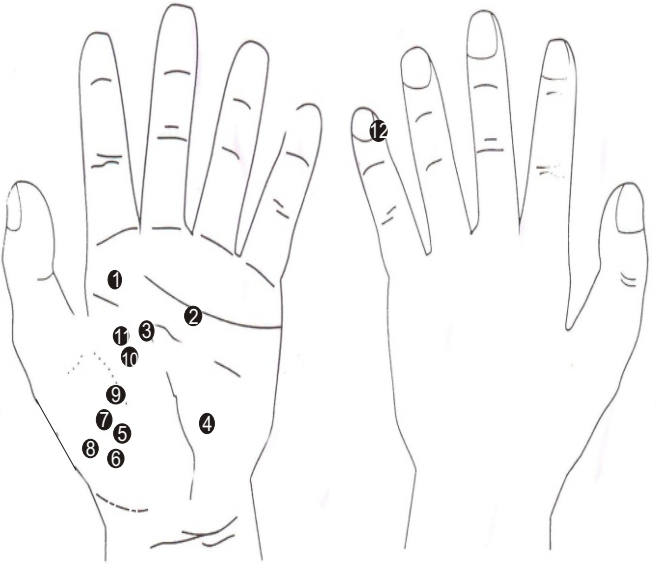

● हथेली एवं हथेली के पीछे के भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

O हाथ के किनारे क भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

BAYC Institute

Dr.S.P Gupta Acupressure Point

हापरटेन्सन .

उच्च रक्तचाप .

एक्युप्रेशर विन्दुएं :–

हथेली पर

1.उच्च रक्तचाप
2.लीवर
3.किडनी
4.किडनी
5.किडनी

अंगुली के किनारे पर

6.वायां मस्तिष्क धमनियां (कोई एक विन्दु चुनें)
7.दायां मस्तिष्क धमनियां (कोई एक विन्दु चुनें)
8.उच्च रक्तचाप

हथेली के पीछे

9.गर्दन
10.गर्दन
11.गर्दन
12.सिर का पिछला भाग
13.एच–9
14.एस आई–1

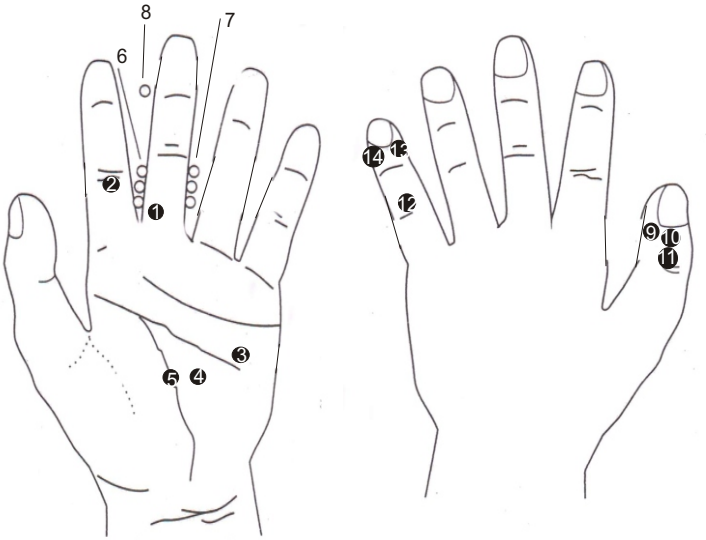

● हथेली एवं हथेली के पीछे के भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

O हाथ के किनारे क भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

BAYC Institute

Dr.S.P Gupta Acupressure Point

हाइपोटेन्सन .

निम्न रक्तचाप .

एक्युप्रेशर विन्दुएं :–

<u>हथेली पर</u>

1.लीवर
2.हृदय
3.हृदय
4.हृदय
5.हृदय
6.किडनी
7.किडनी
8.किडनी

<u>हथेली के पीछ</u>

9.ललाट
10.सिर का पिछला भाग

<u>अंगुली के किनारे पर</u>

11.हाइपोटेन्सन

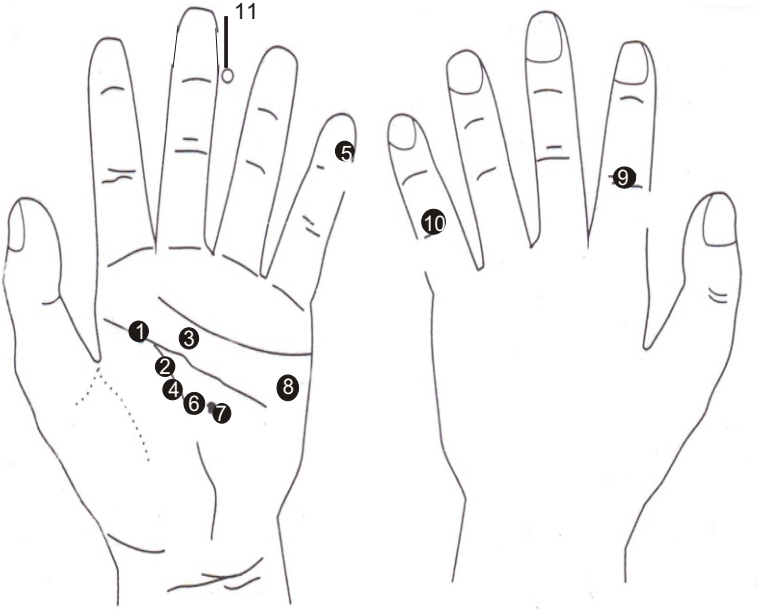

● हथेली एवं हथेली के पीछे के भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

O हाथ के किनारे क भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

BAYC Institute

Dr.S.P Gupta Acupressure Point

डायविटिज (मधुमेह) .

एक्युप्रेशर विन्दुएं :–

<u>हथेली पर</u>

1.ब्लड सुगर
2.कोलेस्ट्रॉल
3.अपच अग्न्याशय
4.लीवर
5.लीवर
6..लीवर
7.पित्ताशय
8.इन्फलामेड पित्ताशय
9.प्लीहा
10.किडनी
11.किडनी
12.किडनी डिफीशन्सि
(कोई एक विन्दु चुनें)
13.आमाशय
14.इन्फ्लेम्ड कोलोन
15.मधुमेह

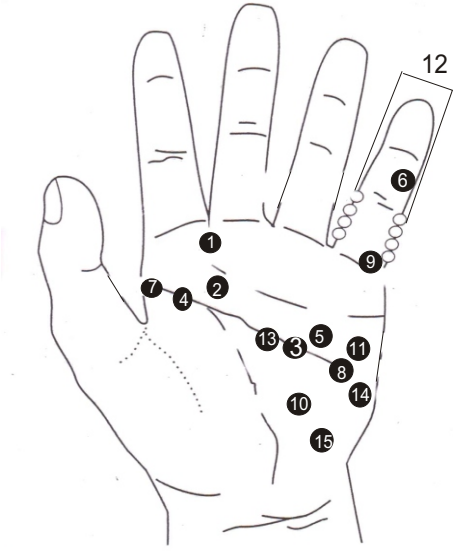

● हथेली एवं हथेली के पीछे के भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

O हाथ के किनारे क भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

BAYC Institute

Dr.S.P Gupta Acupressure Point

पैन्क्रियाटाइटिस .

☆ अपच .

एक्युप्रेशर विन्दुएं :–

हथेली पर

1.अपच
2.ब्लड सुगर
3.आमाशय
4.इन्फ्लेम्ड पित्ताशय
5.लीवर
6.पित्ताशय

हथेली के पीछ

7.एच–9
8.टी डब्लु–1

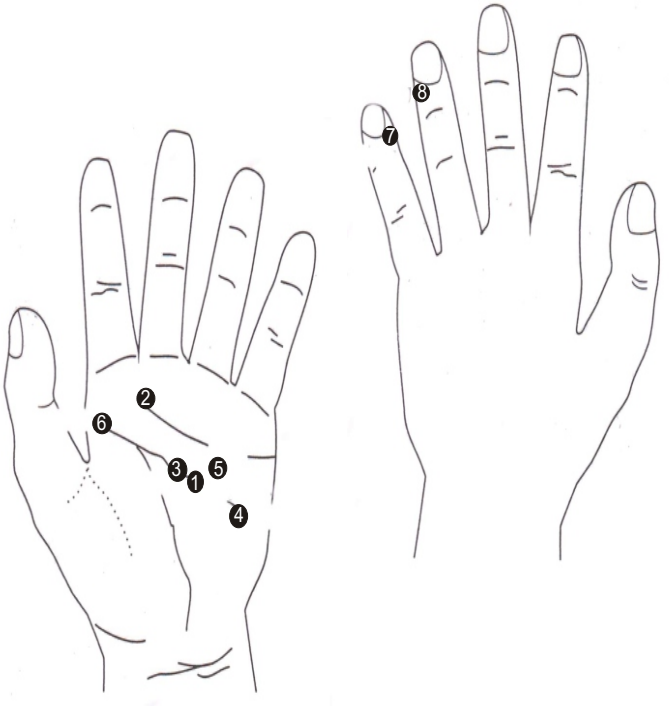

● हथेली एवं हथेली के पीछे के भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

O हाथ के किनारे क भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

BAYC Institute

Dr.S.P Gupta Acupressure Point

एक्युट कोलेसिस्टाइटिस

☆ गॉलस्टोन्स ☆ पित्ताशय का सूजन

एक्युप्रेशर विन्दुएं :–

हथेली पर

1.पित्ताशय का सूजन
2.गॉलस्टोन
3.लीवर
4.लीवर
5.लीवर
6.पित्ताशय
7.किडनी
8.किडनी
9.किडनी

हथेली के पीछे

10.एस आइ–1
11.एल आइ–1

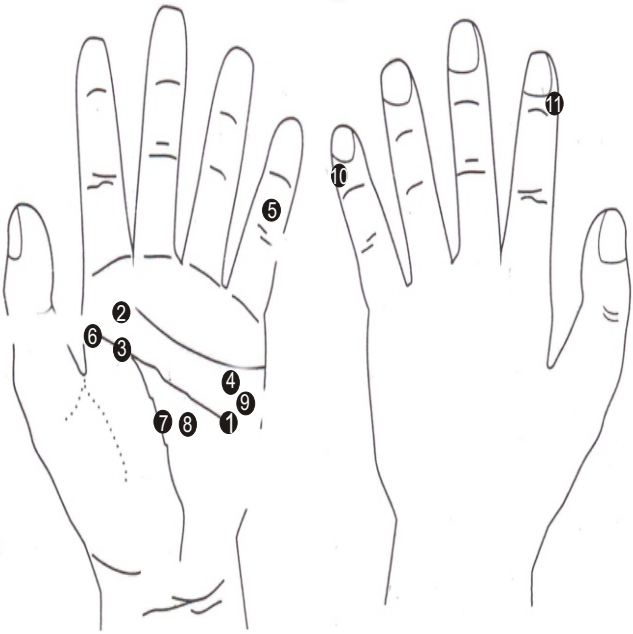

● हथेली एवं हथेली के पीछे के भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

O हाथ के किनारे क भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

BAYC Institute

Dr.S.P Gupta Acupressure Point

कब्ज .

एक्युप्रेशर विन्दुएं :–

हथेली पर

1.किडनी
2.किडनी
3.किडनी
4.लीवर
5.बड़ी आँत
6.इन्फ्लेम्ड कोलोन

हथेली के पीछे

7.कब्ज
8.एल आइ–1
9.एस आइ–1

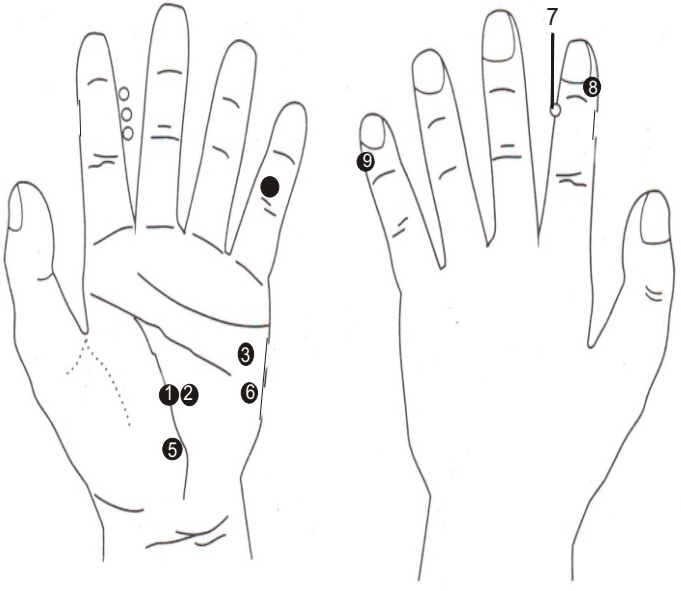

● हथेली एवं हथेली के पीछे के भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

O हाथ के किनारे क भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

BAYC Institute

Dr.S.P Gupta Acupressure Point

नपुंसकता .

एक्युप्रेशर विन्दुएं :–

हथेली पर

1.नपुंसकता विन्दु
2.किडनी
3.किडनी
4.किडनी

हथेली के पीछे

5. सिर .
6.सिर का पिछला भाग
7.एल आइ–1
8.एस आइ–1

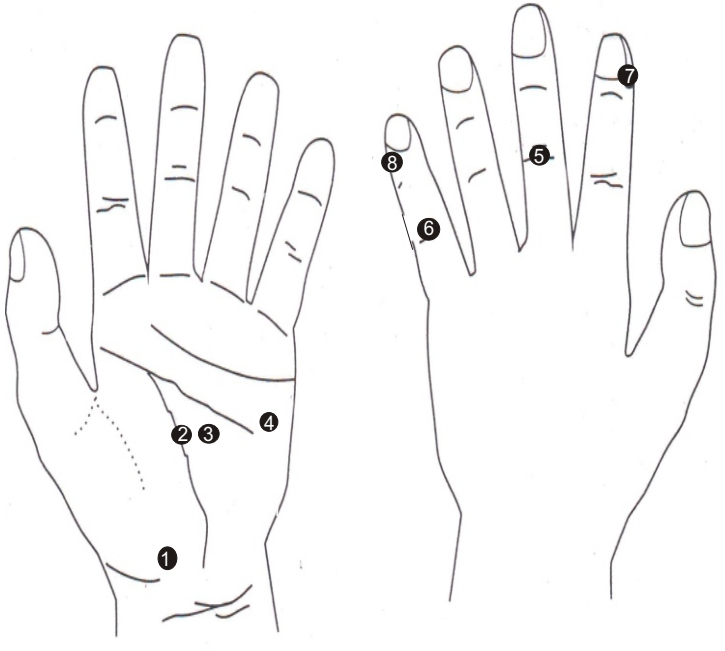

● हथेली एवं हथेली के पीछे के भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

O हाथ के किनारे क भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

BAYC Institute

Dr.S.P Gupta Acupressure Point

अनिद्रा (इन्सौम्निया)

एक्युप्रेशर विन्दुएं :–

हथेली पर	हथेली के पीछे
1.अनिद्रा विन्दु	5.अमाशय
2.कडनी	6.गर्दन
3.कडनी	7.गर्दन
4.कडनी	8.गर्दन

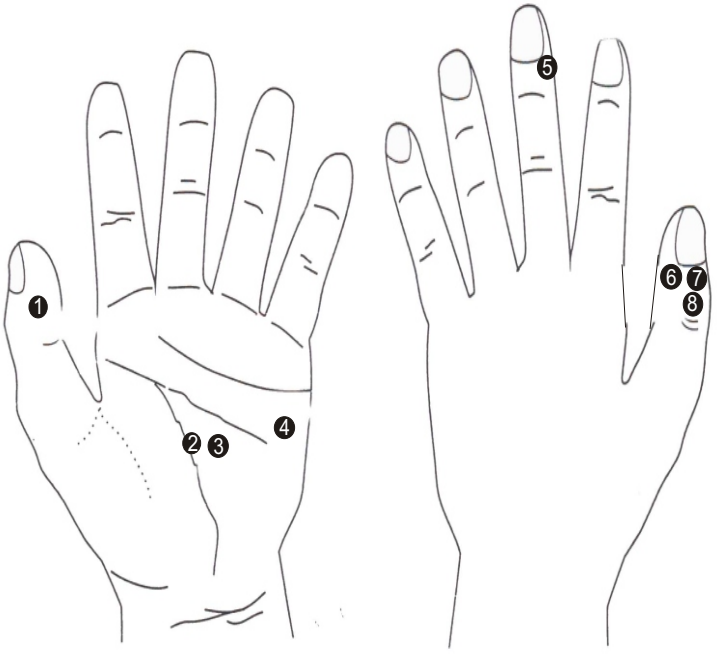

● हथेली एवं हथेली के पीछे के भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

O हाथ के किनारे क भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

BAYC Institute

Dr.S.P Gupta Acupressure Point

बवासीर (Hemorrhoid)

☆ पाइल्स

एक्युप्रेशर विन्दुएं :–

हथेली पर

1.किडनी
2.किडनी
3.किडनी
4.बवासीर विन्दु
5.मलद्वार
6.बाहरी बवासीर
7.आंतरिक बवासीर

हथेली के पीछे

8.एस आइ–1

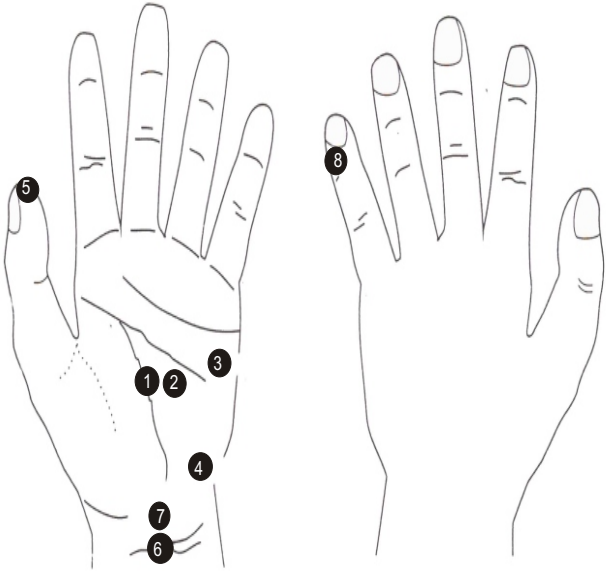

● हथेली एवं हथेली के पीछे के भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

O हाथ के किनारे क भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

BAYC Institute

Dr.S.P Gupta Acupressure Point

गैस्ट्रोएन्ट्राइटिस

☆पैप्टिक अल्सर

एक्युप्रेशर विन्दुएं :–

<u>हथेली पर</u>

1.पित्ताशय

2.लिवर

3.लिवर

4.लिवर

5.इन्फ्लेम्ड पित्ताशय

6.आमाशय

7.पैप्टिक अल्सर विन्दु

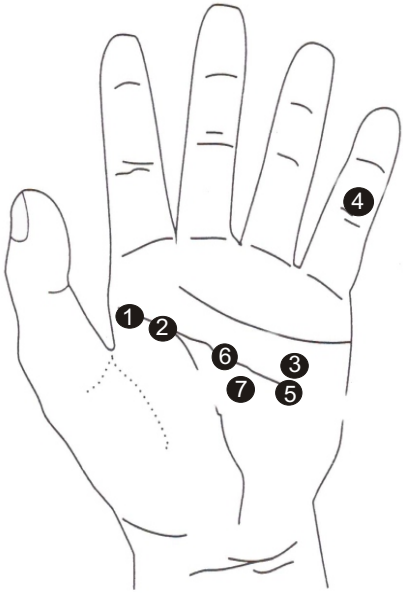

● हथेली एवं हथेली के पीछे के भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

O हाथ के किनारे क भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

BAYC Institute

Dr.S.P Gupta Acupressure Point

डिस्मेनोरिया .

☆ मैन्सट्रुअ़ल क्रेम्प्स

एक्युप्रेशर विन्दुएं :–

<u>हथेली पर</u>

1.बच्चेदानी
2.गाइनीकोलॉजी विन्दु
3.डीम्ब–ग्रन्थि
4.लीवर
5.लीवर
6.लीवर
7.बड़ीआंत
8.बवासीर

<u>हथेली के पीछे</u>

9.एच–9
10.टी डब्लु–1

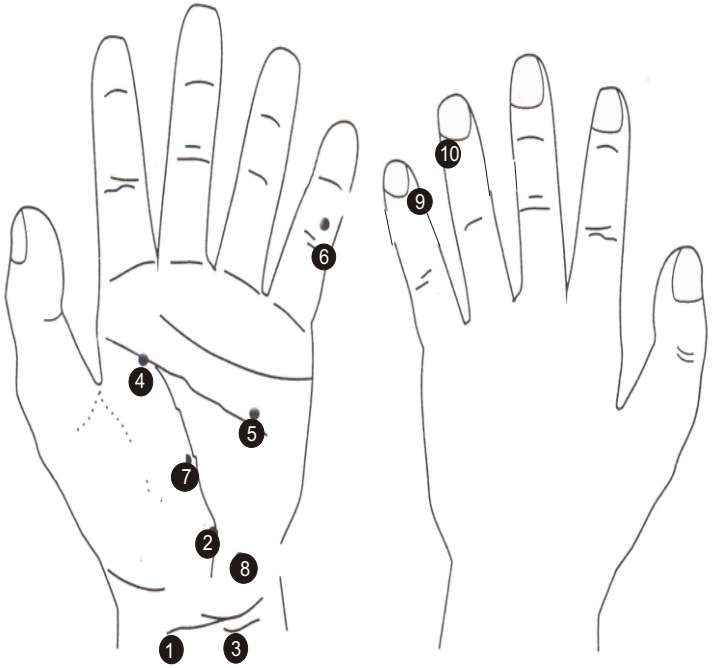

● हथेली एवं हथेली के पीछे के भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

O हाथ के किनारे क भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

BAYC Institute

Dr.S.P Gupta Acupressure Point

गर्दन से उत्पन्न होने वाला चक्कर/ सिर दर्द

☆ चक्कर☆मिचली .☆ उल्टी .☆सिर दर्द☆शीतल पसीना ☆ गर्दन दर्द/अकड़न ☆बांह में दर्द

एक्युप्रेशर विन्दुएं :–

हथेली पर

1.लीवर
2.लीवर
3.लीवर
4.वायां एवं दायां सिर विन्दु

हथेली के किनारे पर

5.दायां मस्तिष्क धमनी
6.वायां मस्तिष्क धमनी

हथेली के पीछे

7.गर्दन विन्दु
8.गर्दन विन्दु
9.गर्दन विन्दु
10.एच–9
11.टी डब्लु–1
12.अमाशय
13.एल आइ–1

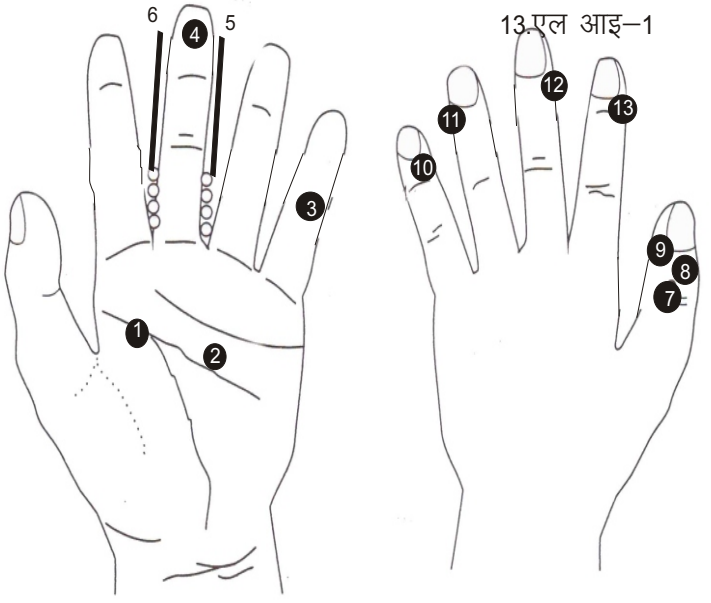

● हथेली एवं हथेली के पीछे के भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

O हाथ के किनारे क भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

BAYC Institute

Dr.S.P Gupta Acupressure Point

कमर दर्द (L.B.P.)

☆ रीढ स्तम्भ

एक्युप्रेशर विन्दुएं :–

हथेली पर

1.किडनी
2.वायां किडनी
3.दायां किडनी
4.वायां फेफड़ा
5.दायां फेफड़ा
6.वायां एवं दायां कंधा
7.लम्बर स्पाइन
8.लीवर
9.लीवर
10.वायां बॉह
11.वायां बॉह
12.वायां बॉह
13.दायां बॉह
14.दायां बॉह
15.दायां बॉह

कोई एक विन्दु चुनें

16.वायां एवं दायां छाती दर्द

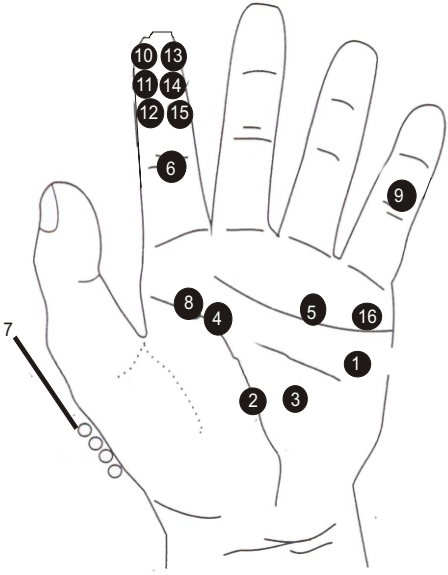

● हथेली एवं हथेली के पीछे के भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

O हाथ के किनारे क भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

BAYC Institute

Dr.S.P Gupta Acupressure Point

अर्थराइटिस .

★ जोड़ो का सूजन/अकड़न/कड़ापन

एक्युप्रेशर विन्दुएं :–

हथेली पर

1.लम्बर स्पाइन
2.वायां बॉह
3.वायां बॉह
4.वायां बॉह
5.वायां बॉह
6.दायां बॉह
7.दायां बॉह
8.दायां बॉह
9.दायां बॉह

कोई एक विन्दु चुनें

10.वायां पैर
11.वायां पैर
12.वायां पैर
13.वायां पैर
14.दायां पैर
15.दायां पैर
16.दायां पैर
17.दायां पैर

कोई एक विन्दु चुनें

18.किडनी
19.किडनी
20.किडनी
21.लीवर
22.लीवर
23.कंधा

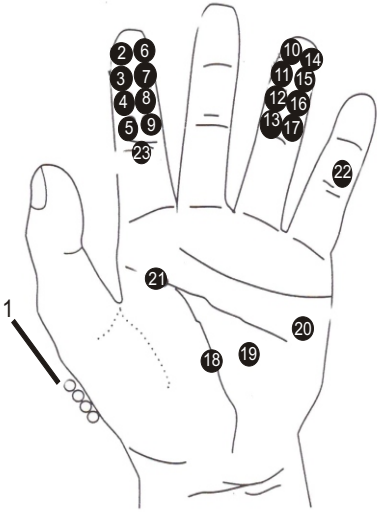

● हथेली एवं हथेली के पीछे के भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

O हाथ के किनारे क भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

BAYC Institute

Dr.S.P Gupta Acupressure Point

दांत का दर्द

एक्युप्रेशर विन्दुएं :–

<u>हथेली पर</u>

1.उपर का दांत
2.नीचे का दांत
3.फेफड़ा
4.दायां फेफड़ा
5.वायां फेफड़ा
6.अमाशय

<u>हथेली के पीछे</u>

7.टी डब्लु–1
8.एल आइ–1

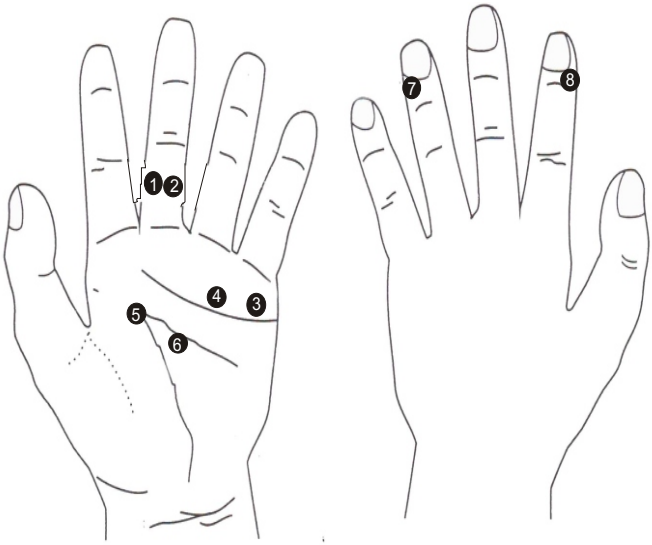

● हथेली एवं हथेली के पीछे के भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

O हाथ के किनारे क भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

BAYC Institute

Dr.S.P Gupta Acupressure Point

ब्रोन्काइटिस / दमा

एक्युप्रेशर विन्दुएं :–

<u>हथेली पर</u>

1.खाँसी एवं सांस लेने में कठिनाई
2.खाँसी एवं सांस लेने में कठिनाई
3.खाँसी एवं सांस लेने में कठिनाई
4.खाँसी एवं सांस लेने में कठिनाई
5.श्वासनली
6.श्वासनली
7.श्वासनली
8.फेफड़ा
9.दायां फेफड़ा
10.वायां फेफड़ा
11.गला
12.बड़ीआंत
13.थकान
14.दमा
15.ब्रोन्काइटिस

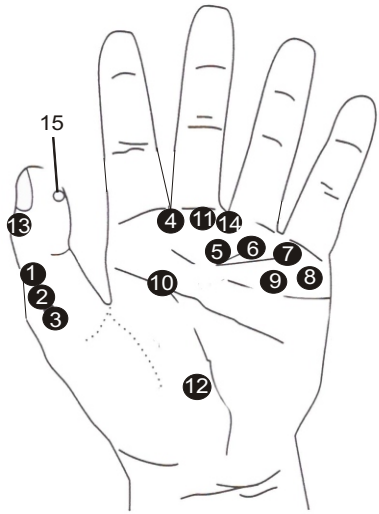

● हथेली एवं हथेली के पीछे के भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

O हाथ के किनारे क भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

BAYC Institute

Dr.S.P Gupta Acupressure Point

गंभीर आघात संलक्षण
(Post Stroke Syndromes)

एक्युप्रेशर विन्दुएं :–

हथेली पर

1.लीवर
2.लीवर
3.लीवर
4.स्प्लीन
5.किडनी
6.किडनी
7.किडनी
8.दायां मस्तिष्क आर्टीज
(कोई एक विन्दु चुनें)
9.वायां मस्तिष्क आर्टीज
(कोई एक विन्दु चुनें)
10.स्ट्रॉक
11.वायां वांह
(कोई एक विन्दु चुनें)
12.दायां वाह
(कोई एक विन्दु चुनें)
13.वायां फूट
(कोई एक विन्दु चुनें)
14.दायां फूट
(कोई एक विन्दु चुनें)
15.वायां पैर
16.दायां पैर

हथेली के पीछे

17.ललाट
18.सिर
19.सिर का पिछला भाग
20.माइग्रेन

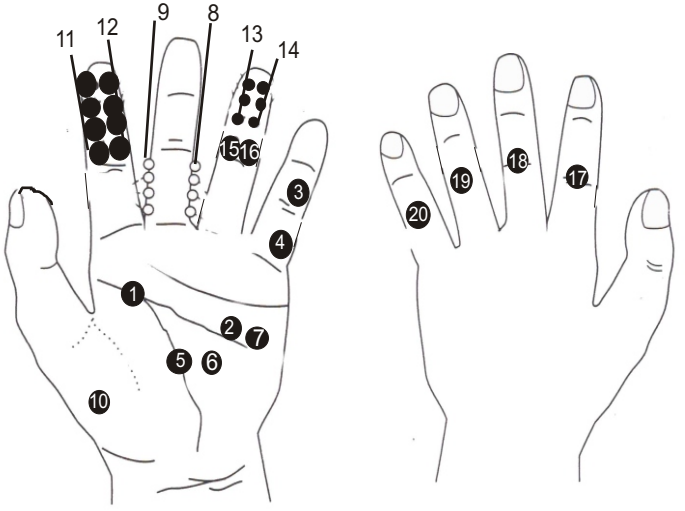

● हथेली एवं हथेली के पीछे के भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

O हाथ के किनारे क भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

BAYC Institute

Dr.S.P Gupta Acupressure Point

डायरिया

एक्युप्रेशर विन्दुएं :–

हथेली पर

1.बड़ीआंत
2.अमाशय
3.स्प्लीन
4..इन्फ्लेम्ड कोलोन

हथेली के पीछे

5.एल आइ–1
6.एल यू–11
7.एस टी–36

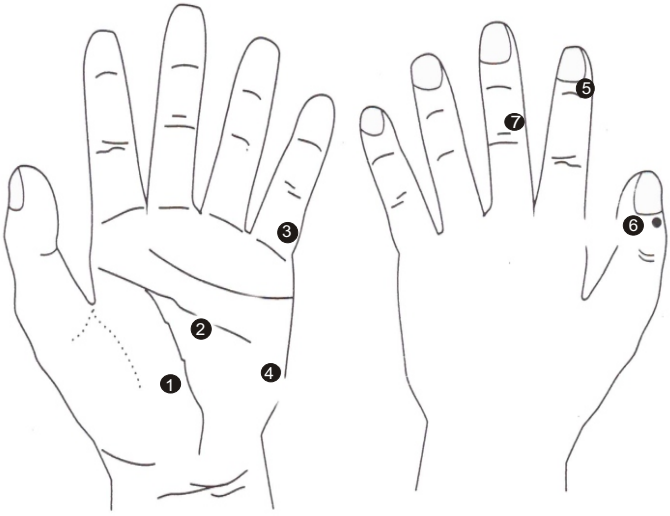

● हथेली एवं हथेली के पीछे के भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

O हाथ के किनारे क भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

BAYC Institute

Dr.S.P Gupta Acupressure Point

साइनुसाइटिस

☆ साइनस

एक्युप्रेशर विन्दुएं :–

<u>हथेली पर</u>

1.फेफड़ा
2.दायां फेफड़ा
3.वायां फेफड़ा
4.वायां नाक
5.दायां नाक

<u>हथेली के पीछे</u>

6.एल आइ–1
7.एल यू–11

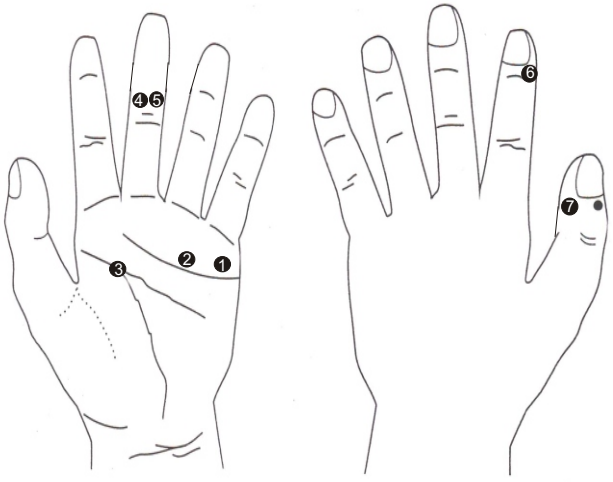

● हथेली एवं हथेली के पीछे के भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।
O हाथ के किनारे क भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

BAYC Institute

Dr.S.P Gupta Acupressure Point

जैनरल हैल्थकेयर

एक्युप्रेशर विन्दुएं :—

हथेली पर

1.लीवर
2.लीवर
3.लीवर
4.हृदय
5.हृदय
6.हृदय
7.वायां फेफड़ा
8.दायां फेफड़ा
9.स्प्लीन
10.किडनी
11.किडनी
12.आमाशय
13.पित्ताशय
14.छोटी आंत
15.छोटी आंत
16.बड़ी आंत
17.इन्डोक्राइन

हथेली के किनारे पर

18.वायां मस्तिष्क धमनी
(कोई एक विन्दु चुनें)
19.दायां मस्तिष्क धमनी
(कोई एक विन्दु चुनें)

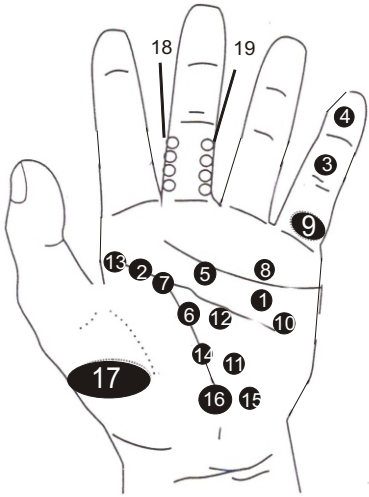

● हथेली एवं हथेली के पीछे के भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

O हाथ के किनारे क भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

BAYC Institute

Dr.S.P Gupta Acupressure Point

जनरल हैल्थकेयर

एक्युप्रेशर विन्दुएं :–

हथेली के पीछे

1.रीढ़ स्तम्भ
2.वर्टीब्रल / लम्बर / लैग नर्व्स
3.सिर के पीछे का भाग
4.माइग्रेन
5.वाहं दर्द
6.वाहं दर्द
7.सिर
8.ललाट
9.गर्दन
10.गर्दन
11.गर्दन
12.गर्दन
13.एल आई–1
14.टी डब्लु–1
15.एच–9
16.एस आई–1
17.कॉलेस्ट्राल
18.कॉलेस्ट्राल
19.ब्लड प्रेशर
20.संचार एवं श्वास तन्त्र
21.टेनीटस,ओटाइटिस
22.लम्बर स्पाइन

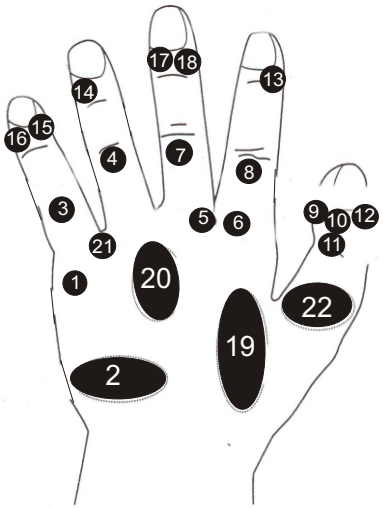

● हथेली एवं हथेली के पीछे के भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

O हाथ के किनारे क भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

BAYC Institute

Dr.S.P Gupta Acupressure Point

सर्दी –जुकाम

एक्युप्रेशर विन्दुएं :–

हथेली पर

1.फेफड़ा
2.दायां फेफड़ा
3.वायां फेफड़ा
4.खाँसी एवं सांस लेने में कठिनाइ
5.क़फ
6.श्वास संवन्धी
7.डिस्ट्रैस
8.श्वासनली
9.वायां एवं दायां नाक
10.थकान

हथेली के पीछे

11.इन्फ्ल्युन्जा
12.जुकाम
13.एल यू–11

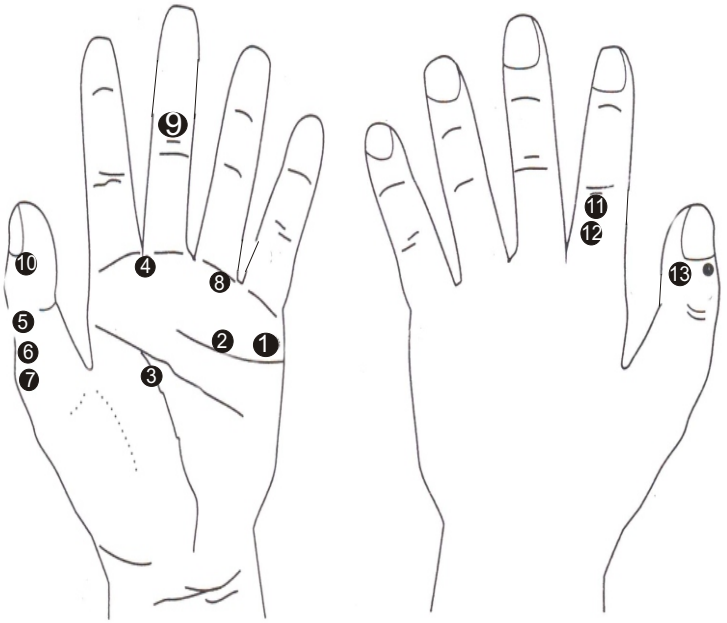

● हथेली एवं हथेली के पीछे के भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

O हाथ के किनारे क भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

BAYC Institute

Dr.S.P Gupta Acupressure Point

वजन घटाएं

एक्युप्रेशर विन्दुएं :–

हथेली पर

1.मुँह
2.स्प्लीन
3.आमाशय
4.बड़ी आंत
5.छोटी आंत
6.छोटी आंत
7.इन्डोक्राइन

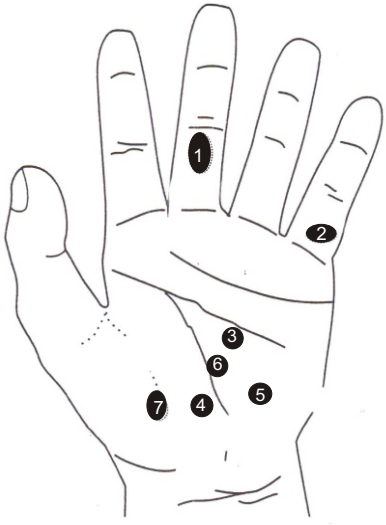

● हथेली एवं हथेली के पीछे के भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

O हाथ के किनारे क भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

BAYC Institute

Dr.S.P Gupta Acupressure Point

गठिया (Gout)

एक्युप्रेशर विन्दुएं :–

<u>हथेली पर</u>

1.कोलेस्ट्रॉल
2.ब्लड सूगर
3.नोक्यूरिया
4.किडनी
5.किडनी
6.इन्डोक्राइन
7.लिम्फ

<u>हथेली के पीछे</u>

8.एच–9
9.टी डब्लु–1

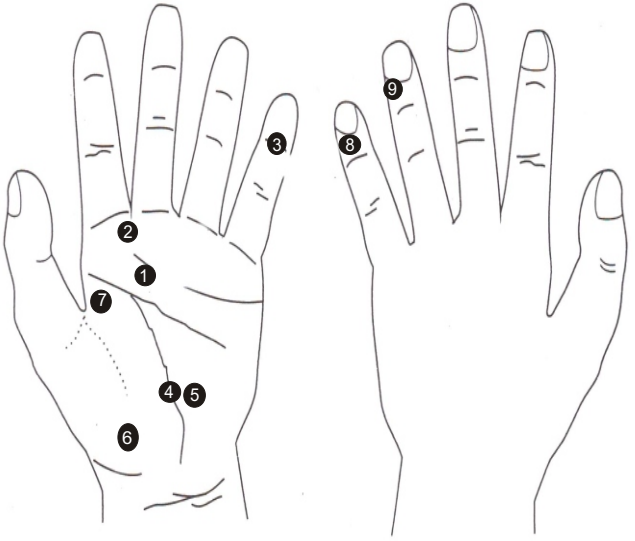

● हथेली एवं हथेली के पीछे के भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

O हाथ के किनारे क भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

BAYC Institute

Dr.S.P Gupta Acupressure Point

कम सुनना

एक्युप्रेशर विन्दुएं :–

हथेली पर	**हथेली के पीछे**
1.वायां कान	3.एच–9
2.दायां कान	4.टी डब्लु–3

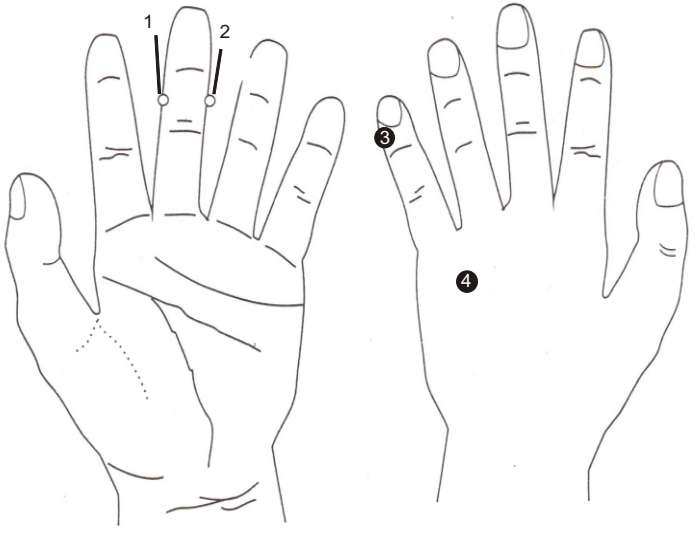

● हथेली एवं हथेली के पीछे के भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

O हाथ के किनारे क भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

BAYC Institute

Dr.S.P Gupta Acupressure Point

चेहरे का फ्लैसिड पैरालाइसिस

एक्युप्रेशर विन्दुएं :–

<u>हथेली पर</u>

1.आँख

2.आँख

3.नाक

4.वायां मस्तिष्क धमनी
(कोई एक विन्दु चुनें)

5.दायां मस्तिष्क धमनी
(कोई एक विन्दु चुनें)

6.स्ट्रोक

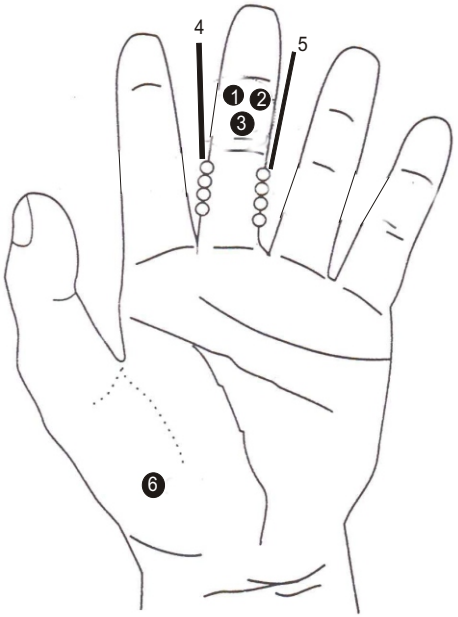

● हथेली एवं हथेली के पीछे के भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

O हाथ के किनारे क भाग पर एक्युप्रेशर विन्दुएं प्रर्दशित करती है।

BAYC Institute

रोगों का निदान केन्द्र है दाँत

(Tooth is the focus of Disease)

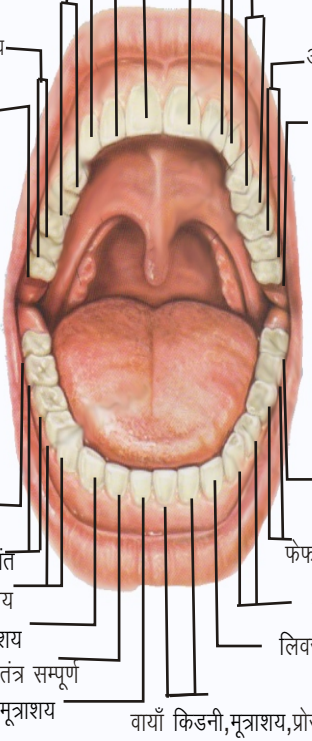

BAYC Institute

जिह्वा निदान

BAYC Institute

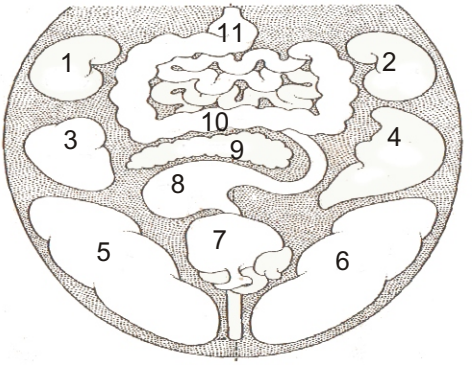

1.वायां किडनी 7.हृदय
2.दायां किडनी 8.अमाशय
3.स्प्लीन 9.पैन्क्रियाज
4.लीवर 10.आंत
5.वायां फेफड़ा 11.रीढ़–स्तम्भ
6.दायां फेफड़ा

(यह चित्र स्वयं आइना में देखने के समय का है।)

संवेदनशील बड़ी आंत

किडनी विकार

नाजुक हृदय

नाजुक फेफड़ा
(डिप्रेशन)

ब्रोनकाइटिस
(लार)

न्यूमोनाइटिस
(भूरा)

अनऑब्जर्ड न्यूट्रिंस
(जिह्वा के किनारे दांतो का निशान)

बड़ी आंत में टॉक्सिन्स
(सफेद)

अमाशय एवं आंतों के क्षेत्र में टॉक्सिन्स
(सीमा के अन्दर लाल के साथ सफेद)

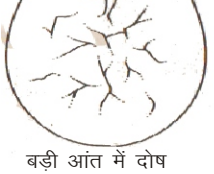
बड़ी आंत में दोष
(जिह्वा पर फटना)

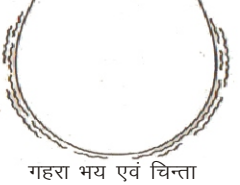
गहरा भय एवं चिन्ता
(जिह्वा का कांपना)

रीढ़ स्तम्भ में आवेग(emotion)
(मध्य रेखा)

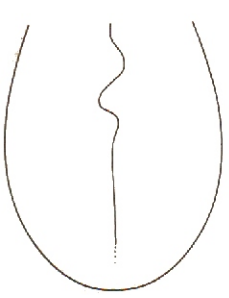

कमर दर्द
{क्रूक्ड(crooked)मध्य रेखा}

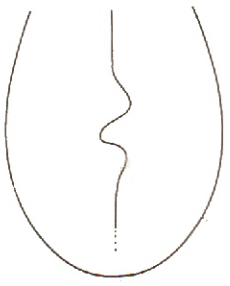

पीठ दर्द
{क्रूक्ड(crooked)मध्य रेखा}

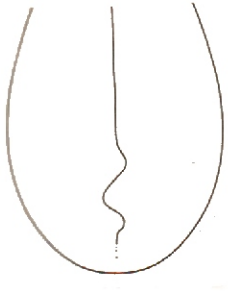

गर्दन दर्द
{क्रूक्ड(crooked)मध्य रेखा}

जिह्वा के किसी विशेष स्थान पर संवेदनशीलता/रंग का बदलाव, उस विशेष स्थान से संबधित अंग का कार्य असामान्य होने का संकेत।

जिह्वा का हल्का सफेद होना	: कफदोष और मयुकस का बनना दर्शाता है।
जिह्वा का लाल अथवा पिला	: हरापन होना–पित्तदोष को दर्शाता है।
जिह्वा का काला–भूरा होना	: वातदोष को दर्शाता है।
डीहाइड्रेटड जिह्वा	: धातु रस (प्लाजमा) की कमी होने का लक्षण दर्शाता है।
पिला जिह्वा	: धातु रक्त (लाल रक्त कण) की कमी होने का लक्षण दर्शाता है।
जिह्वा पर परत का जमना	: अमाशय,छोटी आंत और बड़ी आंत में टॉक्सीन का होना दर्शाता है।
जिह्वा के पिछले भाग में परत का जमना	: बड़ी आंत में टॉक्सीन का होना दर्शाता है।
जिह्वा के मध्य भाग में परत का जमना	: अमाशय और छोटी आंत में टॉकसीन का होना दर्शाता है।
जिह्वा के मध्य भाग में लकीर का होना	: रीढ–स्तम्भ में आवेग(Emotion) दर्शाता है।
यदि यह लकीर टेढ़ा मेढ़ा या घुमावदार होना	: मेरुदंड वक्रता में रचना विकार (Deformity) दर्शाता है।

BAYC Institute

ओष्ठ निदान

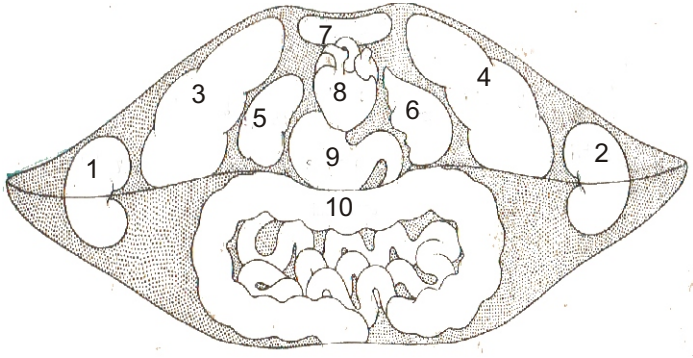

(यह चित्र स्वयं आइना में देखने के समय का है।)

1.वायां किडनी	6.लीवर
2.दायां किडनी	7.थाइराइड
3.वायां फेफड़ा	8.हृदय
4.दायां फेफड़ा	9.अमाशय
5.स्प्लीन	10.आंत

वात प्रकृति	:	पतला और सुखा ओष्ठ
पित प्रकृति	:	लाल ओष्ठ
कफ प्रकृति	:	मोटा और तैलीय ओष्ठ
सुखा और फटा ओष्ठ	:	डीहाइड्रेशन और वातदोष का दूषित होना दर्शाता है।
पिला ओष्ठ	:	रक्ताल्पता(Aneamia) के लक्षण को दर्शाता है।
ओष्ठ पर भूरा धब्बा	:	क्रॉनीक इन्डाइजेशन एवं बड़ी आंत में कृमि(जोंक) का होना दर्शाता है।
ओष्ठ पर फोड़ा फुन्सी का होना	:	पितदोष का दूषित होना दर्शाता है।
ओष्ठ का कांपना	:	भय और चिन्ता का लक्षण है।

BAYC Institute

मुखाकृति द्वारा निदान

मुखाकृति मष्तिश्क का आइना है। मुख पर झुर्री ,रेखाऐं तथा त्वचा के रंग में बदलाव, क्षेत्र के अनुसार संबधित अंग के कार्य में असामान्यता प्रकट करता है।

BAYC
Institute

BAYC
Institute

BAYC Institute